छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर कवि सम्मेलन

28 नवम्बर के दिन रहिसे, जेखानी खरसिया के सरकारी कालेज के हिन्दी विभाग हर ए दिवस ल बनेच धूमधाम ले मनाईस। बड़ अकन कवि पहुना मन ल जोर के छत्तीसगढ़ महतारी अऊ भासा के बखान करे गिस। सबले पहिली पिंकी साहू हर ज्ञान के देवी सरस्वती के गीत गाईस। ओकर पाछू कवयित्री सुभदा राठौर हर राज गीत ल बने लय म गाईस। छत्तीसगढ़ महतारी के पूजा करे के बाद कालेझिया लईका मन छत्तीसगढ महतारी सहीं आघू के धार म बईठीन। छत्तीसगढ महतारी के रूप म पिरयंका, सोनया, रूकमनी, पिरया, टिंकल, धनेसरी, पिंकी, छाया राठौर, गीता, मंजूलता, निसा, अनिसा, हीना, सारदा, कीरतन, राजेसरी मन ल देख के छत्तीसगढ़ महतारी ल मन म सुरता करके बड़खा गुरूजी डाक्टर रमेस टण्डन हर सबो कवि मन के सुवागत करत ए गोठ ल कहिस –

तैं मोर गुरतुर बोली

हरियर मिर्चा खोंट के, गोंदली बासी पिए पसिया।
धान लुवे बर चले गँउटिन, धर के डोर हँसिया।।
बैला दौंरी फांद के, धान मिसे रथिया–रथिया।
बौगा–बौगा धान डोहारे, हाँसत–हाँसत कमिया।।
चिला–पनपुरवा बिहना खाथस, रथिया तिंवर–होरा मूंगफोली।
मया–मया के गोठ गोठियाथस, तैं मोर गुरतुर बोली।।
हाथ म ककनी–बनुरिया, बँहाँ पहिरे नंगमोरी।
कनिहा करधनी घेंच–भर हरवा, मुड़ ढाँके गोरी।।
नाक म बुलाक झूलत हे, टोंड़ा गोड़ म छोरी।
मूड़ म खोपा गोड़ गोरंगी, पैंरी बाजे कोरी–कोरी।।
लाली–हरियर लूगरी पहिरे, तैं दिखथस अड़गड़ भोली।
मया–मया के गोठ गोठियाथस, तैं मोर गुरतुर बोली।।
आँखि–आँखि म गोठ करे, चंडी मार हुचर्रा बलाय।
बेनी हला के ईसारा करे, गोड़ पटक बल बताय।।
ध्यान तोरंग लाय खातिर, कभू चूरी घलो बजाय।
तरिच तरि निहार के गोरी, ओंट अपन के चबाय।।
मुँहू फूला के कभू रोवाथस, कभू करथस ठिठोली।
मया–मया के गोठ गोठियाथस, तैं मोर गुरतुर बोली।।

सकलोईया गुरूजी दिनेस संजय के मंच संचालन अउ जयराम कुर्रे के सहयोग म बड़ बढ़िया कवि सम्मलेन होईस। जवाहर पटेल, संजय बहिदार, नेतराम पटेल, झनकराम पटेल, गुलाब सिंह कंवर, आनंद त्रिवेदी, आर के महिपाल, डिग्रीलाल जगत, मोतीलाल राठौर, जयंत डनसेना मन सबो लईका मन ल झामे रहिन। झनकराम पटेल हर महाभारत के शैली में छत्तीसगढ़ी गीत गाके अउ शंख ला फूंक के खूब ताली पईन। मोती लाल मन बीबी के व्यथा सुना के पोट हंसाइन। जयंत हर मोबाईल के गुन दोस ल बताईस। आनंद त्रिवेदी हर श्रद्धा के पैंतीस

टुकड़ा के दुखभरी कहनी ल कके लईका मन ला समझाईस। सबो कवि मन छत्तीसगढ़ी गुरतुर भासा म अब्बड़ सुंदर गीत गाके लइका मन ल सुनाईन। मुकेस, रेसमा, दुरगा, कौसल्या, छाया डनसेना, हेमलता, दामिनी, सकुनतला, अनजली, रनजना, अनिल, विवेक, रोहित, रेणु, माधुरी, सूरज, जयप्रकास अउ बनेच कन हिन्दी के लइकामन ए दिवस में रहीन।

नातकोत्तर हिन्दी विभाग
Bisleri

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग

लाजपतनगर हिन्दी दिवस

कोत्तर हिन्दी विभाग
Bisleri

हिन्दी विभाग

Bisleri

मंचासीन
हिन्दी भाषा साहित्य
परिषद

छत्तीगढ़ी राज भाषा दिवस पर भव्य छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन

खरसिया (लोक किरण)। छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस के अवसर पर आज महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया में छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। सभी कवियों नर अपने बोली,भाखा के संवर्धन,विकास ,प्रचार प्रसार, एवं संस्कृति को बचाए रखने का आह्वान किया गया।

बता दें कि खरसिया में छत्तीसगढ़ी राज भाषा दिवस मनाई गई इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी कवियों ने अपनी भाषा ,संस्कृति पर शर्म नही गर्व करने की बात कही गई। कार्यक्रम में उपस्थित कवियों ने छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा के साथ, छत्तीस गढ़िया,सब ले बढ़िया के नारे के साथ आगाज किया गया। घरघोडा,धर्मजयगढ़,खरसिया एवं स्थानीय कवियों के द्वारा छत्तीसगढ़ी गीत,कविता,छंद,देश भक्ति, हास्य तथा श्रृंगार की रचनाएं प्रस्तुत की गई।संजय बहिदार (घरघोडा), गुलाब सिंह कंवर गुलाब, डिग्री लालजगत निर्भीक(खरसिया), राम खिलावन महिपाल (खरसिया), आनंद त्रिवेदी आनंद(सोंडका), झनक राम पटेल(छाल), नेतराम राठिया(घरघोडी -घरघोडा), मोती लाल राठौर, सुभद्रा राठौर,जयंत कुमार डनसेना (खरसिया),वरिष्ठ कवि जवाहर पटेल (धर्मजयगढ़), डॉक्टर रमेश टंडन, प्रो. जयराम कुर्रे,(एम जी कालेज खरसिया) के द्वारा उम्दा कविता पढ़ी गई।

इसके पूर्व कवियों का भव्य अभिनंदन किया गया। न्याय की बात मासिक पत्रिका में संपादक डिग्री लाल जगत निर्भीक द्वारा एक पेज , गुरतुर छत्तीसगढ़ी नाम से देने की घोषणा की गई एवं विमोचन किया गया। जिसमें साहित्यकारों की छत्तीसगढ़ी रचनाएं प्रकाशित की जाएगी।

इस कार्यक्रम में मुकेश रेशमा दुर्गा कौशल्या छाया डनसेना हेमलता दामिनी शकुंतला अंजली रंजना अनिल विवेक रोहित रेनू माधुरी सूरज जयप्रकाश की उपस्थिति रही कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो 0 डी 0 के 0 संजय,एवम आभार डॉक्टर आर 0 के 0 टंडन द्वारा।किया गया।

छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस पर भव्य छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन

खरसिया। छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस के अवसर पर आज महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया में छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। सभी कवियों नर अपने बोली, भाखा के संवर्धन, विकास, प्रचार-प्रसार एवं संस्कृति को बचाए रखने का आव्हान किया। बता दें कि खरसिया में छत्तीसगढ़ी राज भाषा दिवस मनाई गई इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी कवियों ने अपनी भाषा, संस्कृति पर शर्म नहीं गर्व करने की बात कही गई। कार्यक्रम में उपस्थित कवियों ने छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा के साथ, छत्तीस गढ़िया, सब ले बढ़िया के नारे के साथ आगाज किया गया। घरघोड़ा, धर्मजयगढ़, खरसिया एवं स्थानीय कवियों के द्वारा छत्तीसगढ़ी गीत, कविता, छंद, देश भक्ति, हास्य तथा श्रृंगार की रचनाएं प्रस्तुत की गई। संजय बहिदार (घरघोड़ा), गुलाब सिंह कंवर गुलाब, डिग्री

लाल जगत 'निर्भीक' (खरसिया), राम खिलावन महिपाल (खरसिया), आनंद त्रिवेदी आनंद (सोंडका), झनक राम पटेल (छाल), नेतराम राठिया (घरघोड़ी - घरघोड़ा), मोती लाल राठौर, सुभद्रा राठौर, जयंत कुमार डनसेना (खरसिया), वरिष्ठ कवि जवाहर पटेल (धर्मजयगढ़), डॉक्टर रमेश टंडन, प्रो. जयराम कुर्रे, (एमजी कालेज खरसिया) के द्वारा उम्दा कविता पढ़ी गई। इसके पूर्व कवियों का भव्य अभिनंदन किया गया। न्याय की बात मासिक पत्रिका में संपादक डिग्री लाल जगत निर्भीक द्वारा एक पेज, गुरतुर छत्तीसगढ़ी नाम से देने की घोषणा की गई एवं विमोचन किया गया। जिसमें साहित्यकारों की छत्तीसगढ़ी रचनाएं प्रकाशित की जाएगी। इस कार्यक्रम में मुकेश रेशमा दुर्गा कौशल्या छाया डनसेना हेमलता दामिनी शकुंतला अंजली रंजना अनिल विवेक रोहित रेनू माधुरी सूरज जयप्रकाश की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो. डी. के. संजय एवं आभार डॉक्टर आर. के. टंडन ने किया गया।

सिंह, उपाध्यक्ष श्री आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, अपेक्स बैंक के संचालक श्री अजय बंसल व छत्तीसगढ़ तेल घानी बोर्ड के सदस्य लक्ष्मी गुप्ता विशिष्ट अतिथि होंगे।

छत्तीसगढ़ी राज भाषा दिवस पर हुआ छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन

खरसिया, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ी भाषा ''तैं मोर गुरतुर बोली'' 28 नवम्बर के दिन रहिसे, जेखानी खरसिया के सरकारी कालेज के हिन्दी विभाग हर ए दिवस ल बनेच धूमधाम ले मनाईस। बड़ अकन कवि पहुना मन ल जोर के छत्तीसगढ़ महतारी अऊ भासा के बखान करे गिस। सबले पहिली पिंकी साहू हर ज्ञान के देवी सरस्वती के गीत गाईस। ओकर पाछू कवयित्री सुभद्रा राठौर हर राज गीत ल बने लय म गाईस। छत्तीसगढ़ महतारी के पूजा करे के बाद कालेझिया लईका मन छत्तीसगढ़ महतारी सहीं आसू के धार म बईठीन। छत्तीसगढ़ महतारी के रूप म पिरयंका, सोनया, रूकमनी, पिरया, टिंकल, धनेसरी, पिंकी, छया राठौर, गीता, मंजुलता, निसा, अनिसा, हीना, सारदा, कीरतन, राजेसरी मन ल देख के छत्तीसगढ़ महतारी ल मन म सुरता करके बड़खा गुरूजी डाक्टर रमेस टण्डन हर सबो कवि मन के सुवागत करत ए गोठ ल कहिस -

तैं मोर गुरतुर बोली
हरियर मिर्चा खोंट के, गोंदली बासी पिए पसिया।
धान लुवे बर चले गँडटिन, धर के डोर हँसिया।।
बैला दौंरी फांद के, धान मिसे रथिया-रथिया।
बीगा-बीगा धान डोहारे, हाँसत-हाँसत कमिया।।
चिला-पनपुरवा बिहना खाथस, रथिया तिंवर-होरा मूंगफोली।
मया-मया के गोठ गोठियाथस, तैं मोर गुरतुर बोली।।
हाथ म ककनी-बनुरिया, बँहीं पहिरे नंगमोरी।
कनिहा करधनी घेंच-भर हरवा, मुड़ छाँके गोरी।।
नाक म बुलाक झूलत हे, टोंड़ा गोड़ म छोरी।
मूड़ म खोपा गोड़ गोरंगी, पैंरी बाजे कोरी-कोरी।।
लाली-हरियर लूगरी पहिरे, तैं दिखथस अड़गड़ भोली।
मया-मया के गोठ गोठियाथस, तैं मोर गुरतुर बोली।।
आँखि-आँखि म गोठ करे, चंडी मार हुचर्रा बलाय।
बेनी हला के ईसारा करे, गोड़ पटक बल बताय।।
ध्यान तोरंग लाय खातिर, कभू चूरी घलो बजाय।
तरिच तरि निहार के गोरी, ओंट अपन के चबाय।।
मुँहू फूला के कभू रोवाथस, कभू करथस ठिठोली।
मया-मया के गोठ गोठियाथस, तैं मोर गुरतुर बोली।।

सकलोईया गुरूजी दिनेस संजय के मंच संचालन अउ जयराम कुर्रे के सहयोग म बड़ बढ़िया कवि सम्मेलन होईस। जवाहर पटेल, संजय बहिदार, नेतराम पटेल, झनकराम पटेल, गुलाब सिंह कंवर, आनंद त्रिवेदी, आर के महिपाल, डिग्रीलाल जगत, मोतीलाल राठौर, जयंत डनसेना मन सबो लईका मन ल झामे रहिन। झनकराम पटेल हर महाभारत के शैली में छत्तिसगढ़ी गीत गाके अउ शंख ला फूंक के खूब ताली पईन। मोती लाल मन बीबी के व्यथा सुना के पोट हंसाइन। जयंत हर मोबाईल के गुन दोस ल बताईस। आनंद त्रिवेदी हर श्रद्धा के पैंतीस टुकड़ा के दुखभरी कहनी ल कके लईका मन ला समझाईस। सबो कवि मन छत्तीसगढ़ी गुरतुर भासा म अब्बड़ सुंदर गीत गाके लइका मन ल सुनाईन। मुकेस, रेसमा, दुरगा, कौसल्या, छया डनसेना, हेमलता, दामिनी, सकुनतला, अनजली, रनजना, अनिल, विवेक, रोहित, रेणु, माधुरी, सूरज, जयप्रकास अउ बनेच कन हिन्दी के लइकामन ए दिवस में रहीन।

द्वारा मीरन ड्राइ

महिला आ

अम्बिकापुर, (देशबन्धु)। छत्ती महिला आयोग की श्रीमती नीता विश्व दिवस नारी निकेत बालिका संप्रेक्षण अम्बिकापुर का नि निरीक्षण के दौरान

मतदा काले

अम्बिकापुर, (देशबन्धु)। भारत निर्देशानुसार मतद बढ़ाने एवं युवाओं जोड़ने हेतु कलेक्ट अधिकारी कुंदन कु विशेष संक्षिप्त पुनरी महाविद्यालयों के मतदाता सूची में महाविद्यालय स्त आयोजन किया गय

उप जिला टेकचन्द्र अग्रवाल निर्वाचन आयोग द्व नाम जुड़वाने हेतु तिथि 01 जनवरी के तिथि 01 जनवरी, एवं 01 अक्टूबर के लिया जायेगा। अग चारों अर्हता तिथि मे करने वाले युवा म नाम जुड़वाने 09 दिसम्बर 2022 त

गाँव

सड़क नि की

मनेन्द्रगढ़, 2 उपाध्यक्ष विधाय राज्य शासन ने भ भरतपुर और मनेंद्र पंचायतों में सड़कों 58 हजार रूपए प्र किया है। वर्षो क्षेत्रवासियों में हर्ष विधानसभा क्षेत्र पंचायत कमर्जी मे